

KHAN G.S. RESEARCH CENTRE

Kisan Cold Storage, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna-6

Mob. : 8877918018, 8757354880

By : Khan Sir

(मानचित्र विशेषज्ञ)

भारत का भौतिक विभाजन

- भारत के धरातल में अत्यधिक विविधता पायी जाती है कहीं पर पहाड़ पठार, नदी, गड्ढा कहीं पर सपाट मैदान कहीं पर प्राचीन पठार है।
- भारत के सम्पूर्ण क्षेत्रफल का -
 - 10.7% पर्वतीय भाग
 - 10.6% पहाड़ियाँ
 - 27.7% पठारी क्षेत्र
 - 43% मैदानी भाग
- भारत को निम्नलिखित 5 धरातलीय भागों में बाँटा गया है-
 - (a) उत्तर का पर्वतीय क्षेत्र
 - (b) उत्तर भारत का विशाल मैदान
 - (c) प्रायद्वीपीय पठार
 - (d) तटीय मैदान
 - (e) भारतीय द्वीप
- हिमालय पर्वत क्षेत्र को 4 प्रमुख श्रेणियों में बाँटा गया है-
 - 1. द्रांस हिमालय (600 मी)
 - 2. वृहद या आंतरिक हिमालय (6100 मी.)
 - 3. लघु या मध्य हिमालय (300 मी.)
 - 4. शिवालिक हिमालय (1000 से 2500 मी.)
- ♦ **द्रांस हिमालय क्षेत्र :-**
 - यह यूरेशिया प्लेट का हिस्सा है। अधिकांश भाग तिब्बत में है इसलिए इसे तिब्बती हिमालय / टेथीस हिमालय भी कहा जाता है। (प्राचीनतम भाग)
 - यहाँ पर वनस्पतियों का अभाव है।
 - इसके अन्तर्गत कराकोरम, लद्दाख, पीरपंजाल, कैलाश, जास्कर आदि श्रेणियाँ आती जिनका निर्माण हिमालय से पहले हुआ है।
 - भारत की सबसे ऊँची K-2 (गाडविन आस्टिन) 8611 मी. कराकोरम श्रेणी की सर्वोच्च चोटी है, K-4 () गैसरब्रुम प्रमुख चोटी
 - कराकोरम श्रेणी में अनेकों ग्लेशियर हैं जिसे-
 - 1. सियाचीन ग्लेशियर 72 km
 - 2. बियाफो ग्लेशियर 63 km
 - 3. बाल्टोरो ग्लेशियर 62 km
 - 4. हिस्पर ग्लेशियर 61 km
 - कराकोरम श्रेणी पामीर की गाँठ से मिलती है जबकि दक्षिण पूर्व की ओर यह कलाश श्रेणी के रूप में विकसित है।
 - विश्व की सबसे बड़ी ढाल वाली चोटी राकापोशी (लद्दाख श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी) स्थित है।

- कराकोरम के दक्षिण में लद्दाख श्रेणी सिंधु नदी और उसकी सहायक नदी श्योक नदी के मध्य जल विभाजक का कार्य करती है।
- ट्रांस हिमालय का निर्माण अवसादी चट्टानों से हुआ है।
- यहाँ पर राशिरो से लेकर कैम्ब्रियन युग तक चट्टानें पायी जाती हैं।
- ट्रांस हिमालय, वृहद हिमालय से सचर जोन या हिन्ज लाइन द्वारा अलग होता है।



♦ वृहद हिमालय या आंतरिक हिमालय:-

- इसे महान, सर्वोच्च, हिमद्री तथा मुख्य हिमालय भी कहते हैं।
- यह हिमालय की सबसे ऊंची तथा दुर्गम श्रेणी है।
- सदा हिमाच्छादित रहता है।
- औसत ऊँचाई 6100 मी.
- विस्तार : नंगा पर्वत से नामचाबरवा पर्वत तक
- इस पर्वत की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (नेपाल)
- Mt. Everest की चामोलुंगमा सागर माथा भी कहते हैं।
- एवरेस्ट चोटी को तिब्बती भाषा में चोमोलुंगमा कहते हैं। जिसका अर्थ है। पर्वतों की रानी।
- अनेक हिमनद भी पाये जाते हैं-कुमायु हिमालय में मिलांम व गंगोत्री हिमनद और सिक्किम में जेमु हिमनद (लं. 20 km)।
- सामान्यतः हिमनद की लम्बाई 3 - 5 km होती है।
- गंगा व यमुना का उद्गम स्थल।
- पर्वत श्रेणी में अनेक दर्रे हैं कश्मीर में जोजिला व बुर्जिला ।
- वृहद हिमालय की चोटियाँ :-



नोट : कामेट पर्वत के पश्चिम में बन्दरपूछ, यमुनोत्री, गंगोत्री, त्रिशुल, बद्रीनाथ, केदारनाथ है।

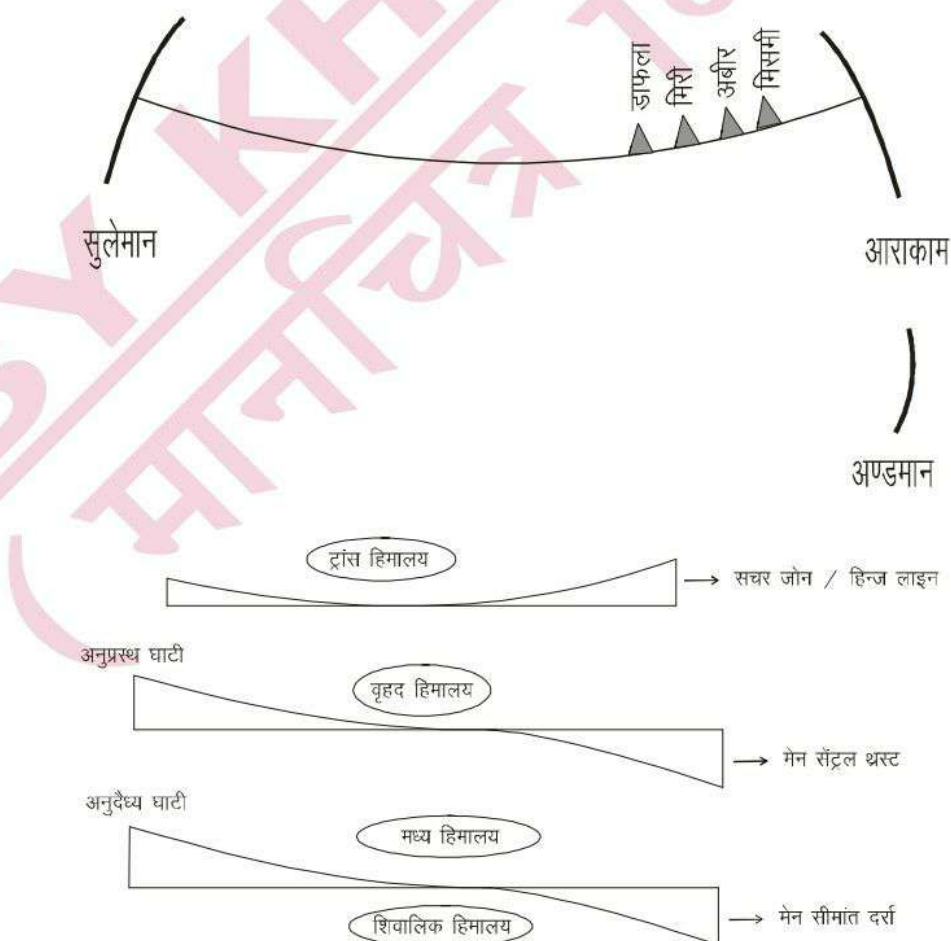
♦ लघु या मध्य हिमालय :-

- औसत ऊंचाई 1800 - 3000 मी. तथा चौड़ाई 80 - 100 km है।
- परिपंजाल श्रेणी इसका पश्चिमी विस्तार है यहीं पर पीरपंजाल व बनिहाल दर्रा उप. है। बनिहाल दर्रे से होकर जम्मू-कश्मीर जाता है।
- इसी के पास मसूरी, नैनीताल, रानीखेत और डलहौजी नगर शिमला, कुल्लु, मनाली पर्यटक स्थल है।
- ढालों पर छोटे-छोटे घास के मैदान पाये जाते हैं जिन्हें काश्मीर में मर्ग (गुलमर्ग व सोनमर्ग) और उत्तराखण्ड में बुग्यास या पयार कहते हैं।
- **प्रमुख घाटी :** कश्मीर घाटी, कुल्लु घाटी, कागड़ा घाटी, काठमाण्डू घाटी।



♦ शिवालिक हिमालय :-

- इसे उपहिमालय या बाह्य हिमालय या नवीन हिमालय/पदस्थली।
- पूर्व में इसकी चौ. 15 km तथा हिमालय व पंजाब में चौ. 50 km तक है।
- शिवालिक हिमालय अरुणाचल में डाफ्ला, अबोर, मिरी, मिश्मी पहाड़ियों के नाम से जाना जाता है।
- शिवालिक और मध्य हिमालय के बीच अनेक घाटियाँ पायी जाती हैं। जिसे पश्चिम में दून (e.g- देहरादून) पूरब में (e.g.-हरिद्वार) कहा जाता है।
- यह पश्चिम में सुलेमान पर्वत तथा पूरब में आराकाम पर्वत से मिल जाती है।
- शिवालिक का दक्षिण-पूर्वी-सुदूर भाग अण्डमान है।



♦ हिमालय का प्रादेशिक विभाजन :-

1. पंजाब हिमालय 2. कुमायू हिमालय 3. नेपाल हिमालय 4. असम हिमालय

सर सिडनी बुरार्ड द्वारा सर्वप्रथम पूर्व से पश्चिम की ओर हिमालय को 4 प्रादेशिक भागों में विभाजित किया गया। यह विभाजन घाटियों की आधार मानकर किया गया।

♦ पंजाब हिमालय / कश्मीर हिमालय :-

- विस्तार : सिन्धु नदी तथा सतलज नदी के मध्य का पर्वतीय भाग।
- लम्बाई - 56 km
- काश्मीर हिमालय करेवा झीलीय निक्षेपों के लिये प्रसिद्ध है यहाँ जाफरान की खेती होती है।
- करेवा : चिकनी चट्टानी मिट्टी।

♦ कुमायूँ हिमालय :-

- विस्तार सतलज नदी तथा काली नदी के मध्य का पश्चिम भाग
- पश्चिमी भाग - गढ़वाल हिमालय तथा पूर्वी भाग कुमाऊँ हिमालय कहलाता है।
- पंजाब हिमालय की अपेक्षा अधिक ऊँचा
- नन्दादेवी (7817) मी. कुमायूँ का सर्वोत्तम शिखर।

♦ नेपाल हिमालय :-

- विस्तार : काली नदी तथा महानन्दा नदी।
- विस्तार (लं.) : 800 km

♦ असम हिमालय :-

- विस्तार : तिस्ता नदी से ब्रह्मपुत्र नदी तक, 750 Km

